Regarding need for improvement in National Overseas Scholarship Scheme for the students of Scheduled Tribes Community- Laid

श्री राजकुमार रोत **(**बांसवाड़ा**) :** राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति योजना (NOS) के अंतर्गत वर्ष 2013 में तय की गई $15,400 की वार्षिक राशि आज 11 वर्षों के बाद भी वही है, जो कि विदेशों में अध्ययन करने छात्रों के लिए पर्याप्त नहीं है जिससे छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है । इसके साथ ही, वर्ष 2013 में अनुसूचित जाति हेतु 60 सीटें और अनुसूचित जनजाति के लिए 20 सीटें आरक्षित की गई थीं । जबकि वर्ष 2024 में अनुसूचित जाति के लिए सीटों की संख्या बढ़ाकर 125 कर दी गई, परंतु अनुसूचित जनजाति के लिए आज भी 20 सीटें ही आरक्षित हैं । एक्सटर्नल अफेयर मिनिस्ट्री के अनुसार, वर्ष 2012 में 1.90 लाख भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे । वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 13 लाख हो गई है । दुर्भाग्यपूर्ण रूप से, आज भी अनुसूचित जनजाति के केवल 20 छात्रों को ही इस योजना का लाभ मिल पा रहा है । यह आंकड़े दर्शाते हैं कि अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए इस योजना में सुधार की आवश्यकता है । इसलिए, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित वर्गों के छात्रों के साथ हो रहे इस अन्याय को लेकर सदन में तत्काल चर्चा की अति-आवश्यकता है ।

_____

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** सभा की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

-

12.06 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

_____